श्री गुरचरन सिंह : अकाली सब से ज्यादा पेट्रियट हैं। ये सब से बड़े फ़िर्कापरस्त हैं। (**व्यवधान**) इन लोगों ने अबोहर के डी० ए० वी० कालेज में हड़ताल करवाई। (**व्यवधान**) इन लोगों ने रोहतक में मीटिंग की ....

श्री रणधीर सिंह : हमारा उस मीटिंग से कोई ताल्लुक नहीं है। (**व्यवधान**)

SHRI BAL RAJ MADHOK : Sir, Chandigarh is an explosive issue and emotions have been aroused on both sides. May I make an appeal to the whole House and to hon. Members, whose names are there on the question, that they should please see that they do not say anything or ask any such question which may worsen the situation which is already bad (*Interruption*).

श्री रणधीर सिंह : माननीय सदस्य हमें क्या समझाते हैं? वह अकालियों को समझायें, जिन के साथ वे पंजाब की कैबिनेट में हैं।

MR. SPEAKER : May I request hon. Members to let the Home Minister reply to the question. They are fully entitled to ask supplementaries is a very orderly manner. Why do they quarrel with each other and complicate the issue ?

SHRI S. M. BANERJEE : Sir, we are prepared to have Chandigarh in U. P.

श्री रवि राय : मंत्री महोदय भी इस प्रश्न को अब काम्प्लीकेट न करें। वह सीधा जवाब दें।

CHANDIGARH ISSUE

†

SNQ. 7 SHRI KANWAR LAL GUPTA:
SHRI D. N. PATODIA :
SHRI PRAKASH VIR SHASTRI:
SHRI PREM CHAND VERMA :
SHRI RANDHIR SINGH :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some Ministers of Punjab have made provocative and threatening statements over the Chandigarh issue;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the reaction of Government to such statements ?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI Y. B. CHAVAN) : (a) to (c). My attention has been drawn to some threatening speeches alleged to have been made by some Ministers of Punjab over the Chandigarh issue. We considered such speeches unfortunate. I wrote to the Chief Minister of Punjab requesting him to find out it these reports were correct and to to do whatever was possible to curb such utterences. The reply of the Chief Minister is awaited but when he met me yesterday he told me that his Ministers had denied having made such statements. He also assured me that nothing would be said or done by his Ministers which would disturb the communal harmony or disrupt unity and integrity of the country.

श्री कंवरलाल गुप्त : अध्यक्ष महोदय, हमारा एक बड़ा देश होने के कारण यहां एक राज्य का दूसरे राज्यों से कई मामलों पर मतभेद रहेगा—पहले भी रहा है और आगे भी रहेगा। यह स्वाभाविक है लेकिन किसी तरह का थ्रेट देना, "बन्द" करना या ऐजीटेशनल एपरोच अपनाना किसी भी पक्ष के लिए ठीक नहीं है और यह देश के इन्ट्रेस्ट में भी नहीं है। (**व्यवधान**)

श्री स० मो० बनर्जी : इन पर गांधीजी का असर हो रहा है। (व्यवधान)

SHRI RAM KISHAN GUPTA : What is this ? Action should be taken against him. (*Interruptions*) (इनके खिलाफ ऐक्शन लिया जाय।)

श्री कंवरलाल गुप्त : अध्यक्ष महोदय, मुझे खुशी है कि मेरे पर गांधी जी का असर है, यह अच्छा है, और बैनर्जी साहब पर भी हो जाय तो अच्छा है। मेरा सवाल यह है कि जो गृह मंत्री महोदय ने कहा, मैं उस का स्वागत करता हूं और मेरा

ख्याल है कि यह भावनाएं जो मैं ने व्यक्त की हैं यह मेरी नहीं सारे सदन की हैं और गृह मंत्री महोदय दोनों पक्षों को यह बता दें, मैं गृह मंत्री से दो आश्वासन आज चाहता हूं--एक तो यह कि किसी भी कीमत पर जो पार्टी भी थ्रेट दे, एजीटेशन की थ्रेट हो या किसी तरह की भी थ्रेट हो, वायलेंस की थ्रेट हो, यह सरकार उन थ्रेट्स से न दब कर के चंडीगढ़ का ईश्यू मेरिट पर तय करेगी और दूसरा विश्वास में यह चाहता हूं कि इस से पहले कि कोई भी अनटूवर्ड इंसीडेंट्स किसी स्टेट में हो जाय जिससे कि स्थिति बिगड़ जाय, सरकार चंडीगढ़ का फैसला कर देगी ?

SHRI Y. B. CHAVAN : As far as the Chandigarh issue is concerned, I have already made a statement on the floor of the House. I have indicated the time-limit on this matter. The Government stands by that commitment. Naturally, such question have to be considered very carefully and they, naturally, will have to be considered on merits also.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : What about the first part of my question ?

वायलेंस से आप नहीं दबेंगे, मेरिट पर फैसला करेंगे, इसका अश्योरेंस देंगे ?

SHRI Y. B. CHAVAN : There is no question of giving assurance. That has always been the policy of the Government.

श्री कंवरलाल गुप्त : अध्यक्ष महोदय, मैं हरयाना सरकार को और पंजाब सरकार को दोनों को बधाई देना चाहता हूं कि कुछ टेंशन होने के बाद भी इस ईश्यू के ऊपर कोई कम्युनल टेंशन नहीं है और इस में विशेषत: पंजाब सरकार भी बधाई की पात्र है। इसका मुख्य कारण यह है कि वहां पर अकालियों और जनसंघ का कोलीशन है जिसके कारण वहां पर कम्युनल टेंशन नहीं है। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या यह बात सही है कि किसी स्टेज पर जब प्रधान मंत्री ने यह कहा कि चंडीगढ़ का ईश्यू दोनों पार्टी मिल कर हल कर लें तो ठीक होगा और दोनों पार्टी मिल कर के फैसला करने के मूड में भी थीं, वह फैसला करीब करीब हो भी रहा था लेकिन जब राष्ट्रपति का चुनाव आया उस समय प्रधान मंत्री ने दोनों पक्षों को बुला कर कहा कि हम आप को चंडीगढ़ दे देंगे ..... (व्यवधान) ....

MR. SPEAKER : No please; that is not relevant.

SHRI KANWAR LAL GUPTA : It may be embarrassing to the Government. But it is a very relevant question.

MR. SPEAKER : Not at all a relevant question. You are suggesting something, attributing something and then saying like tahamnot I.tgoing to allow.

श्री कंवरलाल गुप्त : मेरा सवाल यह है कि आया सरकार दोनों पक्षों को यह दोबारा कहेगी कि वह बैठ कर के आपस में फैसला कर लें और जो सरकार के सामने और साल्यूशन के बहुत सारे आल्टरनेटिव्ज हैं उसमें यह भी है कि चंडीगढ़ के लोगों से सलाह की जाय कि वह क्या चाहते हैं ?

SHRI Y. B. CHAVAN : All these matters are before the Government. Naturally, the Government will consider all the alternatives and then take a decision.

SHRI D. N. PATODIA : May I know what will be the guiding factors for the Government on the basis of which a decision will be taken on the Chandigarh issue ?

SHRI Y. B. CHAVAN : Naturally, all the points involved will have to be considered.

MR. SPEAKER : Shri Prakash Vir Shastri.

SHRI D. N. PATODIA : What are the specific matters on which you will be guided in the matter ? There must be some specific factors.

SHRI PILOO MODY : The political expediency. That will be an honest answer.

SHRI RANGA : Will they decide in an arbitrary manner as they like ?

MR. SPEAKER : Shri Prakash Vir Shastri.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मेरा जहां तक अनुमान है पंजाब में और पंजाब से बाहर भी समाचार पत्रों के संवाददाता इतने गैर-जिम्मेदार नहीं हैं कि जो इस तरह से मिनिस्टरों के संबंध में और जो पंजाब के मुख्य व्यक्ति हैं उनके सम्बन्ध में इस प्रकार के वक्तव्य समाचार पत्रों में प्रसारित करें कि जो उन्होंने कभी कहा ही न हो। यह बात दूसरी है कि एक बार वक्तव्य देने के बाद समाज की प्रतिक्रिया को देख कर के अपने वक्तव्यों को वापस ले लें। मेरी तो जानकारी यहां तक भी है कि जो वर्तमान मुख्य मंत्री हैं लुधियाने में बन्दा वैरागी के संबंध में हुए समारोह में सब से पहले पृथक राज्य की इस प्रकार की मांग का प्रारंभ उन के द्वारा हुआ था और अगर मैं भूल नहीं करता हूं तो जनसंघ के जो विधान सभा के सदस्य थे उन्होंने उस समय विधान सभा में उन का विरोध भी किया था कि इस प्रकार के राज्य की मांग नहीं आनी चाहिए। मैं जानना चाहूंगा कि मुख्य रूप से आज जो वहां के मुख्य मंत्री हैं, यह लोग तो केवल शब्दों में कह रहे हैं, और वह जो व्यवहार में एक पृथक राज्य बनाने के संबंध में पंजाब में जो बात बरत रहे हैं, पुलिस को इस्तेमाल कर के और दूसरे वर्ग के लोगों के धर्म-स्थानों को भ्रष्ट कर के, उनकी लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार कर के और अबोहर में जो कांड हुआ है उस के बारे में समाचार पत्रों में आप ने पढ़ा होगा यह सारी की सारी बातें इस का प्रमाण हैं, जो डी० ए० वी० कालेज में धर्म-स्थान के संबंध में हुआ, तो एक तो मैं यह जानना चाहता हूं कि श्री राड़ेवाला, पेप्सू के भूतपूर्व मुख्य मंत्री ने जो आरोप लगाया है कि वर्तमान पंजाब सरकार के कुछ ऊंचे अधिकारियों का पाकिस्तान के राष्ट्रपति याह्या खां से सम्बन्ध है, यह चीज कहां तक सही है? दूसरी बात में यह जानना चाहता हूं कि कल जब पंजाब के मुख्य मंत्री सरदार गुरनाम सिंह गृह मंत्री जी से मिले तो क्या यह सही है कि जो यहां संसद में हम ने सुझाव रखे थे कि भारत सरकार इसलिए डर रही है चंडीगढ़ के सवाल का निर्णय करने में कि अगर पंजाब के पक्ष में निर्णय होता है तो हरयाना वाले नाराज हो जायेंगे और हरयाना के पक्ष में होता है तो पंजाब वाले नाराज़ हो जायेंगे, इस लिये बीच का रास्ता यह है कि चंडीगढ़ के निवासियों की राय जान ली जाय और लोगों की सहमति जिधर भी हो उधर चंडीगढ़ का फैसला कर दिया जाय, क्या इस संबंध में भी बातचीत उन से हुई थी? अगर हुई थी तो उन का क्या अभिप्राय था और यह बीच का रास्ता अपनाने में भारत सरकार को क्या कठिनाई है?

SHRI Y. B. CHAVAN : When the Chief Minister, Punjab, met me, we did go into the alternatives of Chandigarh question. Naturally he wanted to remind me of the necessity of taking early decision. Since I was to answer this question—Short Notice question——, I raised this question about certain statements made by his Ministers and he explained what I have said already. In this matter I would go by the statement of as responsible Chief Minister. When he has said that the Minister have denied it, you should accept that statement. We have no information or evidence to say that any leaders or officers of Punjab Government are in league with Pakistan.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मेरे पहले प्रश्न का क्या उत्तर है कि इस में भारत सरकार को क्या कठिनाई है कि चंडीगढ़ के निवासियों की राय जान ली जाय चंडीगढ़ के संबंध में क्योंकि समाचार पत्रों में यह निकला है कि पंजाब के मुख्य मंत्री ने यह कहा है गृह मंत्री से कि मुझे जनमत संग्रह कराने में कोई कठिनाई नहीं है तो मैं जानना

चाहता हूं कि भारत सरकार को क्या कठिनाई है अगर यह रास्ता निकाल कर के इस झगड़े को समाप्त कर दिया जाय?

श्री यशवंत राव चव्हान : I cannot give my opinion on this. और मेरे से उन्होंने यह कहा नहीं।

SHRI SHEO NARAIN : This is a basic question. What is the Home Minister is going to say on this? What is his opinion? (*Interruptions*)

SHRI Y. B. CHAVAN : I cannot give my opinion.

श्री प्रेम चंद वर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह बड़ा महत्वपूर्ण सवाल था। हम चाहते थे कि इस पर कम से कम दो घंटे इस सदन में बहस हो, केवल मैं हो नहीं चौधरी रणधीर सिंह ही नहीं, और भी बहुत से सदस्य यह चाहते थे, लेकिन उस की इजाजत आप ने नहीं दी तो अब जब यह सवाल होम मिनिस्टर साहब ने मंजूर कर लिया है तो मैं आप से केवल अर्ज करना चाहूंगा कि मुझे सिर्फ चार मिनट चाहिए, मैं कोई शोर शराबा नहीं करना चाहता और मैं नहीं चाहता कि कोई बीच में डिस्टर्ब मुझे किया जाय। मैं फैक्ट्स रखना चाहता हूं। मैं सदन से भी रिक्वेस्ट करूंगा, मैं कोई भाषण नहीं दूंगा, केवल फैक्ट्स आपके सामने रखूंगा।

चंडीगढ़ का जो मसला है सारे देश में इस ने एक बेचेनी फैला दी है और एक परेशानी का सवाल यह बन गया है! उस का कारण यह है कि जब एक सरकार के वजीर ही यह बात कहने लगें कि जिस प्रदेश के वह वजीर हैं उस प्रदेश में बदअमनी हो जायगी और उस के अन्दर हिन्दुस्तान के टुकड़े करने की कोशिश वह कर रहे हैं तो मैं यह समझता हूं कि जम्हूरियत की जड़ों पर जबर्दस्त कुल्हाड़ा यह है। इस सवाल के ऊपर इस सदन में ठीक तरह से विचार नहीं किया गया तो मैं समझता हूं कि इसके नतीजे बहुत खतरनाक होंगे। उस का कारण मैं आपको बतलाना चाहता हूं। मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि अगर पंजाब में गड़बड़ हुई तो इस का असर सारे हिन्दुस्तान पर पड़ेगा . . . . .

श्री राम सेवक यादव : अध्यक्ष महोदय, क्या इस सदन में यह परिपाटी चलायेंगे कि जब एक प्रश्न पूछा जा चुका है और मंत्री महोदय ने उस के बारे में साफ इन्कार कर दिया है, उस के बावजूद भी बारबार उस सवाल को पूछा जा सकता है? यह पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिये . . . .

श्री रणधीर सिंह : वह मंत्री झूठ बोलता है . . . . (**व्यवधान**) . . . .

MR. SPEAKER : '*Jhoot*' is unparliamentary. Please withdraw it.

SHRI GURCHARAN SINGH : He should withdraw the word.

They are not in this House.

MR. SPEAKER : Will youplease with draw the previous one? Are you withdrawing it?

श्री रणधीर सिंह : वह मंत्री झूठ बोलता है, बलवंत सिंह झूठ बोलता है . . . . . (**व्यवधान**) . . . .

श्री गुरुचरन सिंह : ये गलतबयानी कर रहे हैं।

MR. SPEAKER : Will you please with draw the word '*jhoot*'?

श्री गुरचरन सिंह : वह तो पहले ही कह दिया है। आप तो कभी गुस्से में नहीं आया करते, आज आपको क्या हो गया है?

श्री क० ना० तिवारी : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइन्ट आफ़ आर्डर है! यह मंत्री झूठ बोल रहे हैं या वह मंत्री झूठ बोल रहे हैं, ऐसी बात रिकार्ड पर नहीं जानी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : आप यहां पर सवाल कर सकते हैं, उस के बारे में रेलेवेंसी जज करना मेरा काम है। लेकिन आप मुझे कमिट नहीं करवा सकते कि आप चार चार मिनट बोलेंगे और आपको बीच में दखल न दिया जाय—मैं यह नहीं मानूंगा। आपका क्वेश्चन लम्बा हो जाय, चार मिनट के बजाय 8 मिनट हो जाय, इसको मान सकता हूं, लेकिन इस तरह से एलाउ करने के लिये मैं तैयार नहीं हूं।

But I am not prepared to allow you to ask irrelevant questions.

श्री गुरचरन सिंह : स्पीकर साहब, मेरी रिक्वेस्ट सुनिये। यहां अन-पार्लियामेन्ट्री अलफाज़ इस्तेमाल हो गये हैं—इन्हें उन अलफाज़ को वापस लेना चाहिये।

श्री रणधीर सिंह : विदड्रा हुए पांच मिनट हो गये हैं।

श्री प्रेम चन्द वर्मा : जो तरीके अकाली पंजाब में इस्तेमाल कर रहे हैं, इन का नतीजा यह होगा कि चण्डीगढ़ एक दिन कब्रिस्तान बन जायगा। 1947 के हालात पंजाब में फैलाये जाने वाले हैं। मैं होम मिनिस्टर साहब से पूछना चाहता हूं कि क्या यह गलत है कि·····

SHRI BAL RAJ MADHOK : I would like that these words should not go on record. These are very explosive words. They will not do good to anybody. I would request the hon Miember not to use such words. For the sake of Punjab, don't use these words.

MR. SPEAKER : When the Home Minister has denied it, the question does no arise that you should repeat it again.

श्री प्रेम चन्द वर्मा : मैं बिल्कुल जिम्मेदारी से कह रहा हूं।

MR. SPEAKER : When the Minister has categorically said that they have denied such statements, why should you go on asking it ?

श्री प्रेम चन्द वर्मा : अध्यक्ष महोदय, जो चीज़ मैं हाउस के सामने रखना चाहता हूं उस का सवाल के साथ पूरा ताल्लुक है। सरदार बलवंत सिंह, फूड मिनिस्टर, पंजाब, का लुधियाना में 16 दिसम्बर का बयान है कि मरकज़ी सरकार चण्डीगढ़ पंजाब को दे दे, **और हरिआणा को कैपिटल के लिये दिल्ली देदें,** वरना फौजी बगावत हो जायेगी और यह भी कहा कि मरक ज़ी सरकार पंजाब से 87 रुपये क्विंटल के हिसाब से चावल खरीदती है और 140 रुपये क्विंटल के हिसाब से दूसरे सूबों को बेचती है·····

MR. SPEAKER : The Minister has said that they have denied it. Why do you persist in it ?

श्री प्रेम चन्द वर्मा : आप मेरी बात सुनिये। अगर एक चीफ़ मिनिस्टर अपनी आंखें बन्दर कर लेता है तो हमारा यह सदन जो देश की 55 करोड़ जनता की नुमाइन्दगी करता है कैसे मान लेगा। एक चीफ़ मिनिस्टर तो एक कांस्टीचूऐन्सी से चुन कर आया है, मैं नहीं समझता कि एक चीफ़ मिनिस्टर की बात को इतना वज़न दिया जाय। यह सदन जो कि 55 करोड़ की नुमाइन्दगी करता है, उस की बात को कैसे मान ले। मैं आपके सामने फैक्ट रखना चाहता हूं।

चीफ़ मिनिस्टर सरदार गुरनाम सिंह ने 19 दिसम्बर को कहा है कि पंजाब में आन्ध्र जैसे हालात पैदा हो रहे हैं। जिस तरह से रामुलू की मौत हुई थी, उसी तरह पंजाब में होंगी। मरकज़ देश के टुकड़े-

टुकड़े करना चाहता है, एक दिन मरकज़ में कांग्रेस की सरकार टूट जायगी।

अकाली लीडर सरकार गुरदेव सिंह, एम० एल० ए० ने 17 दिसम्बर को मुक्तसर में कहा कि चण्डीगढ़ न मिलने की सूरत में मरकज़ की ईंट से ईंट बजा दी जायगी। सरकार अगर हमारे लीडरों को मरवाने पर तुली हुई है तो हमारा मरकज़ के साथ कोई ताल्लुक नहीं है · · · · ·

MR. SPEAKER : When he has said that they have denied it, what is the point in referring to it again ? I am not going to allow a debate on this. The Home Minister has categorically said that he has denied it; he has said that he had met him and he has said that he did not make any such statement, neither Shri Balwant Singh nor anybody else had made such a statement. Why is the hon. Member putting such things into their mouths ?

श्री प्रेम चन्द वर्मा : होम मिनिस्टर साहब उन के कहने पर यह बात कह रहे हैं, खुद अपनी तरफ़ से नहीं कह रहे हैं ! चीफ़ मिनिस्टर के कहने से 55 करोड़ का यह सदन इस बात को नहीं मानता है। हमारी · · · · **(व्यवधान)** · · · · ·

संत फतह सिंह जी ने अपनी 12 दिसम्बर की चिट्ठी में प्रधान मंत्री जी को लिखा है कि 26 दिसम्बर, 1966 को भारत सरकार ने सरदार हुकम सिंह जी की मारफत, जो उस वक्त यहां स्पीकर थे, जो भरोसे उन को दिलवाये थे, वे पूरे किये जाने चाहिये, नहीं तो 26 जनवरी को भूख हड़ताल कर के 1 फरवरी को मैं वहां पर मर जाऊंगा। इन हालात में मैं होम मिनिस्टर साहब से जानना चाहता हूं कि भारत सरकार ने 26 दिसम्बर, 1966 को सरदार हुकम सिंह की मारफत क्या भरोसे दिये थे ?

MR. SPEAKER : I do not allow it. That is not a relevant question.

SHRI GURCHARAN SINGH : This is not part of the main question.

MR. SPEAKER : The question on the Order Paper is :

> "whether it is a fact that some Ministers of Punjab have made provocative and threatening statements over the Chandigarh issue;".

The main question refers only to Ministers, and then it proceeds:

> "if so, the details thereof;"

Where does Sant Fateh Singh come in ? I am not going to allow anything outside the main question.

श्री प्रेम चन्द वर्मा : संत फतह सिंह का चण्डीगढ़ के साथ ताल्लुक है। आप बताइये कि चण्डीगढ़ के साथ सन्त फतह **सिंह** का ताल्लुक कैसे नहीं है ?

MR. SPEAKER : I am not going to allow it. The hon. Member must be relevant.

श्री प्रेम चन्द वर्मा : मैं जानना चाहता हूं कि इन सब सवालों के बाद वहां के मिनिस्टरों के दिमाग़ जिस तरफ चल रहे हैं और अकाली लीडरों का जो ड्रामा चल रहा है, इन सब ड्रामों की वजह से अगर सरकार यह फैसला कर रही है कि हर हालत में फैसला 1 फरवरी से पहले कर दिया जायगा तो क्या यह गलत नहीं है कि उन के प्रेशर में आ कर सरकार यह फैसला करना चाहती है ताकि संत फतह सिंह · · ·

MR. SPEAKER : No. The hon. Member may please sit down. I am not placing any arguments before him, but I am only asking him to be relevant to the main question, which is:

> "whether it is a fact that some Ministers of Punjab have made provocative and threatening statements over the Chandigarh issue";

Is there anybody else mentioned in the question ?

तो पहले मैं यह जानना चाहता हूं कि इन हालात में जबकि शाह कमीशन की रिपोर्ट है, हिन्दी स्पीकिंग एरिया है, एडजामिनेशन लैंग्वेज हिन्दी है हिन्दी इलाके पर है, फिर आज जो मिनिस्टर या उनके गुरू चीफ मिनिस्टर स्टेटमेन्ट देते हैं कि अगर चण्डीगढ़ नहीं दिया तो दिल्ली को हिला देंगे फरीदाबाद को हिला देंगे · · · · · (**व्यवधान**) · · · · ·

अध्यक्ष महोदय : यह प्लेटफार्म नहीं है · · · (**व्यवधान**) · · · ·

श्री रणधीर सिंह : स्पीकर महोदय, आप लाईयर हैं और होम मिनिस्टर साहब लाईयर हैं। एक दफा आफेन्स हो गया तो साहब मैंने नहीं किया, यह तो प्ली है। देश की इंटेग्रिटी के खिलाफ चाहे मिनिस्टर चाहे जीवन सिंह या बलवन्त सिंह और चाहे अकाली एम० एल० ए०, अपने गुरदेवसिंह ने एक दफा स्टेटमैन्ट दे दिया और कह दिया ईंट से ईंट बजा देंगे, फौजों में गदर कर देंगे और मुल्क से अलग हो जायेंगे तो उनका आफेन्स कम्प्लीट हो चुका है। · · · · (**व्यवधान**) · · · · तो मैं आपकी मार्फत होम मिनिस्टर साहब से जानना चाहता हूं कि चीफ मिनिस्टर वकील बनकर आपके पास चले आये और देश के खिलाफ प्रचार किया तो उनका आफेन्स कम्प्लीट हो चुका है इसलिए क्या आप इसकी सी० बी० आई० से इंक्वायरी करायेंगे या नहीं ?

दूसरी बात यह कि मैं एक स्टेटमेन्ट पढ़ता हूं, लुधियाने के जिला परिषद् के प्रेसीडेन्ट हैं ज्ञानी अर्जुन सिंह और श्री गुप्ता, जनरल सेक्रटरी जिन्होंने कहा है कि अकाली लीडर श्री बलवन्त सिंह—मैं नाम बताता हूं— इन्होंने देश के साथ गद्दारी की है, इससे बुरा जुर्म नहीं है और उन्होंने कहा है कि 99 परसेन्ट सिख हमारे साथ हैं, उनकी तरफ से हम इसका खंडन करते हैं। मैं गवाह भी आपको दे रहा हूं। अखबारों में गवाहों के नाम दर्ज हैं। · · · · (**व्यवधान**) · · · · मैं आप से पूछना चाहता हूं कि कल को अगर हरयाणा का चीफ मिनिस्टर कहदे या रणधीर सिंह, एम० पी० कह दे कि अगर हमको चंडीगढ़ नहीं दिया जायेगा तो हम हरयाणिस्तान बनायेंगे, तो क्या आप उस बात को बर्दाश्त करेंगे ? लेकिन हम ऐसी बात कभी नहीं कहेंगे। अगर किसी के मुंह से ऐसी बात निकले तो आप उसकी जबान निकाल लीजिये, अगर आप तगड़े होम मिनिस्टर हैं। तो उन्होंने यह जुर्म किया है जिसका तमाम सिख भाइयों पर असर है और तमाम हरयाणा के भाइयों पर असर है।

एक बात मैं यह भी कहना चाहता हूं कि प्राइम मिनिस्टर को जो हमने लिखा है, एफ० आई० आर० मेरे नाम से है, मुझे भी मौका दिया जाय। पार्लमेन्ट के मेम्बर ने एक चीज दी है, एक कम्प्लेन्ट की है तो मुझे भी आप मौका क्यों नहीं देते ?

आखिरी बात यह है कि आपने खुद माना है कि आप पर कोई प्रेशर नहीं डालेगा। ऐसी हालत में यह जो सिसेशन की धमकी है और कहा जाता है कि ईंट से ईंट बजा देंगे क्या आप ऐसा सोचेंगे कि जब तक चीफ मिनिस्टर और सन्त फतेह सिंह सेल्फ इम्मोलेशन की धमकी वापस न लें आप अपना फैसला नहीं सुनायेंगे और अगर फैसला सुनाना चाहते हैं तो फिर जो शाह कमीशन की रिपोर्ट है उसको इम्प्लीमेन्ट करें पूरी तौर से वरना अगर आप कोई दूसरा फैसला करेंगे तो फिर यहां समझा जायेगा कि आपने दबाव की वजह से वैसा किया है। तो क्या आप इस बात को कहने के लिये तैयार हैं ?

MR. SPEAKER : He must remember that this is not a debate hour, this is not a debate on the Chandigarh issue. It is a question about statements of Ministers.

SHRI N. K. P. SALVE : This was only a preamble to the question which did not come.

MR. SPEAKER : I am not able to make out any question from such a long speech.

श्री रणधीर सिंह : इससे ज्यादा शार्ट और मैं क्या कर सकता हूं। ...... (**व्यवधान**) ....

अध्यक्ष महोदय : सब पढ़े लिखे लोग हैं, थोड़ी सी रूल की रेलिवेंन्सी भी देखनी चाहिए। ...... (**व्यवधान**) ......

SHRI Y. B. CHAVAN : I have repeated again and again that as far as the statements are concerned, the Chief Minister has said that his Ministers have denied them. He has also given me an assurance that he will see that no such statements are made. I think we should close the matter there. We shall accept the assurance of the Chief Minister in this matter, and there is no question of any inquiry etc. by us. About, the letter that he wrote to the Prime Minister a copy has been received by me.

SHRI RANDHIR SINGH : What about Shri Gurnam Singh's statement which has appeared today ?

SHRI Y. B. CHAVAN : I have not seen that.

DR. RAM SUBHAG SINGH : In view of the fact that the problem of Chandigarh is getting complicated day by day, may I know whether Government will find an early solution of the problem, say, before 26th January?

MR. SPEAKER : This was a question only about certain statements by Ministers.

DR. RAM SUBHAG SINGH : All that is about the problem of Chandigarh.

MR. SPEAKER : He has already replied.

DR. RAM SUBHAG SINGH : No.

SHRI Y. B. CHAVAN : About what?

DR. RAM SUBHAG SINGH : In regard to the problem of Chandigarh.

SHRI Y. B. CHAVAN : मैंने सुना नहीं। मैंने पहले यह कहा कि इसके बारे में गवर्नमेंट ने जो टाइम लिमिट है, वह बताई है। Government would decide this question before the budget session. This is the government statement.

श्री गुरचरन सिंह : मैं यह अर्ज़ करूंगा कि श्री प्रकाशवीर शास्त्री ने भी सवाल किया और सप्लीमेन्टरी में यह पूछा क्या भारत सरकार चन्डीगढ़ में रेफ़ेन्डम कराने के लिये तैयार है और अगर हां, तो कब तक ? तो मैं होम मिनिस्टर साहब से जानना चाहूंगा कि क्या यह मुल्क के हक में जाएगा कि शहरों में रेफ़ेन्डम कराने की रवायत कायम की जाए......

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : गोवा में हो चुका है।

श्री गुरचरन सिंह : मैं होम मिनिस्टर साहब से गुज़ारिश करूंगा कि क्या वे यह अश्योरेन्स दे सकते हैं कि जो चैलेंज रणधीर सिंह जी ने दी है कि चंडीगढ़ बसाने की जगह 70 फीसदी हिन्दी स्पीकिंग गांव उठाए गए हैं......मैं चौधरी साहब को चैलेंज के साथ कहता हूं कि इसके लिये टोटल गांव पंजाबी स्पीकिंग उठाए गए हैं। सारे रेकार्डस सरकार के पास मौजूद हैं। जिन्हें ले जाकर बैठाया गया है उनसे पूछा जाए और राय ली जाए। मैं उनके चलेंज को कबूल करता हूं।......

रणधीर सिंह : मुझ उनका चैलेंज मंजूर है। कालका सबतहसील के यह सारे के सारे 42 गांव हरियाणा का हिस्सा हैं। 7 गांव खरड़ तहसील के हैं और 6 गांव ऐक्सटिंक्ट हैं जो कि 65 फीसदी हिन्दी स्पीकिंग हैं। यह सारे गांव हिन्दी स्पीकिंग हैं।

MR. SPEAKER : I am not going to allow any further questions. If there is one irrelevant question and accusations are made further accusations and counter-accusations are made. I do not think it is in good taste.

श्री गुरचरण सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल उनके सवालों में से निकला है जो कि उन्होंने किया था। मुझे भी सवाल पूछने का हक हो जाता है।

अध्यक्ष महोदय : मैंने वह ऐलाऊ नहीं किया था।

श्री गुरचरन सिंह : मेरा सवाल पूरा नहीं हुआ है, मुझे पूरा तो कर लेने दिया जाए।

अध्यक्ष महोदय : इर्रेलेवैंट आग्युमेंट्स के ऊपर आप क्या सवाल कर रहे हैं ? अलबत्ता मिनिस्टर के ऊपर कोई सवाल हो तो कर लीजिय।

श्री गुरचरन सिंह : चौधरी रणधीर सिंह ने जो सवाल किया और श्री प्रकाशवीर शास्त्री ने जो सवाल उठाया उसके सिलसिले में मैं अर्ज़ करना चाहता था······

अध्यक्ष महोदय : मैंने उनको भी टोक दिया था इसलिये मिनिस्टर के स्टेटमेंट के ऊपर अगर कोई सवाल करना हो तो माननीय सदस्य कर सकते हैं।

श्री रामगोपाल शालवाले : अध्यक्ष महोदय, मैं गृह मंत्री महोदय से आपकी मार्फत निवेदन करना चाहता हूं कि अबोहर में यज्ञशाला को अपवित्र किया गया, गुंडों द्वारा पेशाब किया गया और लड़कियों के सामने गुंडों द्वारा वहां पर नंगा नाच किया गया है। यह सवाल यहां पर उठाया जा सकता है लेकिन आपने इजाजत नहीं दी हमको उठाने की। इस बारे में मैंने गृह मंत्री महोदय को चिट्ठी भी लिखी लेकिन उन्होंने मुझे कोई जवाब नहीं दिया···

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर, इस तरह से बगैर बुलाए माननीय सदस्य को उठ कर बोलना नहीं चाहिये।

श्री ओम प्रकाश त्यागी : गृह मंत्री महोदय को इस पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिये और यहां हाउस में बयान देना चाहिये। उनको पत्र लिखा था लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

श्री रामगोपाल शालवाले : मैंने होम मिनिस्टर साहब को चिट्ठी लिखी है उन्होंने जवाब नहीं दिया। इस तरह से यज्ञशाला का अपमान किया गया है, लड़कियों के सामने नंगा नाच किया गया है······

MR. SPEAKER : I shall have to bring it to the notice of the House. This is not the way. May I take some action against him?

श्री रामगोपाल शालवाले : इस तरह से वहां पर यज्ञशाला को अपवित्र किया गया, उसे ढाया गया, गुंडों द्वारा पेशाब किया गया और लड़कियों के सामने नंगा नाच किया गया······

MR. SPEAKER : Will he please resume his seat or not? This is the last day. I do not think that some unpleasantness should be created here. He is an hon. Member of the House. He is defying the Chair in spite of my request. It is very unfair.

श्री गुरचरन सिंह : मैं पूछ रहा था कि क्या होम मिनिस्टर साहब जो लोग वहां से उठाए गए हैं उनका रेकार्ड सरकार में····

अध्यक्ष महोदय : जब उनको इजाजत नहीं दी तो आपको कैसे दे सकता हूं ?

श्री गुरचरन सिंह : उधर से प्रावोकेटिव तकरीरें की गईं मैं होम मिनिस्टर साहब से पूछना चाहूंगा कि क्या उनको पता है कि रोहतक में एक मीटिंग की गई कि अबोहर के डी० ए० वी० कालेज में गड़बड़ कराई जाए और हिन्दू-सिक्ख फसाद कराया जाए।

मैं अखबार में जो उनका बयान निकला है उसमें से यहां हवाला देते हुए कहना चाहता हूं कि जिस कमिशन के सामने उन लोगों ने यह बयान दिया था कि उनकी ज़बान हिन्दी है, आज पंजाब जनसंघ के प्रधान और साबिक फाइनेंस मिनिस्टर डा० बलदेव प्रकाश कहते हैं कि यह मर्दमशुमारी सन् 61 की गलत थी और वह महज़ सियासत पर मबनी थी। इस तरह से उस समय कमीशन के सामने अपना बयान देने वाले जब अपना बयान बदल चुके हैं और वह कहते हैं कि उनकी ज़बान दरअसल पंजाबी है······

MR. SPEAKER : Sardar Gurcharan Singh is just a new Member of this House. I do not want that I should invite his attention to the rules because he has been an M.L.A. for so many years. I think you know the rules. This is not a supplementary question. I disallowed it in the case of Mr. Verma and I disallowed a part of it in the case of Mr. Shastri. What has gone wrong with this House? Nobody is relevant......(*Interruptions*). If he wants to put any question about the statement made by the Minister, I shall allow him; otherwise not.

श्री गुरचरन सिंह : मैं स्पीकर साहब की मार्फत होम मिनिस्टर साहब से एक सवाल पूछना चाहता हूं कि क्या चंडीगढ़ का फैसला करते वक्त जो तकरीरें चंडीगढ़ को पंजाब में जाने के खिलाफ चौधरी साहब ने हाउस में की हैं, चूंकि उनको खदशा है कि मिडटर्म एलेक्शन जल्दी आ सकता है इसलिये वोट हासिल करने के लिये जो उस तरह की गलत तकरीरें उन्होंने की हैं उनको नजरअंदाज किया जाएगा या नहीं ?

श्री सूरज भान : अभी गृह मंत्री महोदय ने बताया कि चीफ मिनिस्टर पंजाब ने इस बात से इन्कार किया है कि पंजाब के उन मिनिस्टरों ने ऐसा स्टेटमेंट किया है । बदकिस्मती की बात है कि मिनिस्टर्स ऐसा स्टेटमेंट दे देते हैं और अखबार वाले जब उन्हें छाप देते हैं तो बाद में वह उससे इन्कार कर जाते हैं और मुकर जाते हैं तो गृह मंत्री महोदय के पास इस मामले के बारे में सेंट्रल सी० आई० डी० की रिपोर्ट क्या है जिससे मालूम हो सके कि वाकई उन मिनिस्टरों ने ऐसा कोई स्टेटमेंट दिया था या नहीं ?

SHRI Y. B. CHAVAN : I have no report of the CBI on this matter.

श्री रघुवीर सिंह शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, मैं एक व्यक्तिगत स्पष्टीकरण करने के लिये खड़ा हूं......

MR. SPEAKER : I am still on the short-notice question. Personal explanation stage has not come. माननीय सदस्य अभी बैठ जाएं। यह शार्ट नोटिस क्वैश्चन खत्म हुआ। शार्ट नोटिस क्वैश्चन नम्बर 8 ।

DISBANDMENT OF NATIONAL FITNESS CORPS

\+

SNQ. 8. SHRI RAMAVATAR SHASTRI :
SHRI S. M. BANERJEE :
SHRI INDRAJIT GUPTA :
SHRI S. M. JOSHI :

Will the Minister of EDUCATION AND YOUTH SERVICES be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Government have taken a final decision to disband the National Fitness Corps;

(b) if so, whether this is going to affect 7,400 employees working under this organisation;

(c) whether their services will be treated as continuous when they are transferred to the State Governments; and

(d) whether the present emoluments and allowances will be duly protected under the State Governments ?

THE MINISTER OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (DR. V. K. R. V. RAO) : (a) to (d). A statement is laid on the table of the House.

Statement

The decision to decentralise the National Fitness Corps, whose number at present is 6,953, was taken as early as 1965. Since then the Government has been negotiating with the State Governments regarding the terms and conditions of transfer of the N. D. S. Instructors to the States. The terms which were decided earlier were not acceptable to the majority of the States. Government have, therefore, reconsidered the matter and have approved more liberal terms of transfer. Under the revised terms the Central Government would meet the full expenditure on the salary and allowances of the N.D.S. Instructors absorbed by the States for the entire Fourth Plan Period. The approved length of service in the Central Government would be taken into account in calculating increments in the State scales and for the next five years the difference in the total emoluments (pay and allowances) which they would receive from the Central Government just before their absorption in the State